शनिवार
18 जून 2022

पृष्ठ 4

वॉटर पार्क का सुरक्षित तरीके से लुत्फ उठाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

पृष्ठ 5

'जन गण मन' के लिए पूजा हेगड़े ने मेकर्स से ली मोटी रकम

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 135
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

प्रकृति, समय और धैर्य ये तीन हर दर्द की दवा हैं।
— अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

email: doonvalley_news@yahoo.com
Website: dunvalleymail.com
आर.एन.आई.- 59626/94

और अधिक भड़की अग्निपथ की आग

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। यूपी, बिहार, राजस्थान और हरियाणा सहित देश के तमाम राज्यों में आज तीसरे दिन भी अग्निपथ योजना को लेकर हिंसक आंदोलनों का दौर जारी रहा। कहीं रेलवे स्टेशन को फूंका तो कहीं बसों को आग के हवाले कर दिया गया। कहीं पथराव हुआ तो कहीं पुलिस ने लाठी चार्ज और फायरिंग कर अपना बचाव किया।

अग्निपथ योजना के विरोध में आज बिहार बंद के दौरान व्यापक हिंसा और आगजनी की गई जनपद जहानाबाद के मसौदी में प्रदर्शनकारी युवाओं ने तारेगना रेलवे स्टेशन को फूंक डाला और स्टेशन के बाहर खड़े दर्जनों वाहनों को आग लगा दी गई। सीआरएफ के आने पर प्रदर्शनकारियों ने भारी पथराव किया गया अपनी जान की सुरक्षा के लिए पुलिस को गोलियां भी चलानी पड़ी। प्रदर्शनकारियों ने आरा व पटना में भी उग्र प्रदर्शन किया। बिहार में कई स्थानों पर बसों व निजी वाहनों में ही आग लगा दी गई।

उधर उत्तर प्रदेश के जौनपुर में आज प्रदर्शनकारियों ने रोडवेज की कई बसों

❑बिहार बंद के दौरान व्यापक हिंसा व आगजनी
❑यूपी में कई जगह आगजनी और तोड़फोड़

पर पथराव किया और कई को आग लगा दी गई। उपद्रवी प्रदर्शनकारियों ने जौनपुर जनपद के थाना सिकरारा में भारी पथराव किया व थाने में खड़े वाहनों को आग लगा दी गई। उधर राजस्थान में भी आज कई शहरों में हिंसा और आगजनी की गई। हरियाणा के महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने जमकर आगजनी की गई वाकई वाहनों को आग लगा दी गई और रेलवे ट्रैक पर भी टायरों में आग लगा दी। देशभर में पुलिसकर्मियों को भी निशाना बनाया गया कई स्थानों पर पुलिस को अपने बचाव में फायरिंग करनी पड़ी। पुलिस द्वारा हजारों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

उत्तराखंड भी इस विरोध प्रदर्शन की

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

एसपी सिटी ने युवाओं से किया संवाद

देहरादून। डीजीपी अशोक कुमार के निर्देश पर आज एसपी सिटी सरिता डोभाल ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें अग्निपथ योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को कहा कि वह किसी तरह के बहकावे में न आएं और आधी अधूरी जानकारी के कारण कोई ऐसा काम न करें जो संविधान और कानून के खिलाफ हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 4 साल सेना में अग्निसेवा करने वाले युवाओं को पुलिस तथा अन्य नौकरियों की भर्ती में प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि अगर युवाओं को कोई शंका है तो उसका समाधान जाने। हिंसा और बेवजह के आंदोलन से दूर रहें।

अग्निवीरों को मिलेगा 10 फीसदी आरक्षण

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना को लेकर भड़की विरोध की आग को शांत करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा एक और कदम आगे बढ़ाते हुए सेवानिवृत्त अग्नि वीरों को असम राइफल और केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों व केंद्रीय रक्षा मंत्रालय की नौकरी में 10 फीसदी आरक्षण का फैसला लिया गया है। यही नहीं सरकार द्वारा अग्निवीर भर्ती के लिए आयु सीमा में 2 साल की छूट देने के बाद अब असम राइफल्स और केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों की भर्ती में 3 से 5 साल तक छूट देने की घोषणा की गई है।

उल्लेखनीय है कि 3 दिन पूर्व जब केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अग्निपथ योजना की जॉब लांचिंग की गई थी तो सिर्फ सेवानिवृत्त अग्नि वीरों को असम राइफल और सशस्त्र सुरक्षा बलों की भर्ती में वरीयता देने की बात कही गई थी। लेकिन इस योजना को लेकर उठे तमाम सवालों और हिंसक आंदोलनों के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा अग्नि वीरों की भर्ती में आयु सीमा बढ़ाने का फैसला

❑गृह मंत्रालय ने जारी किए आदेश
❑आयु सीमा में भी 5 साल की छूट

लिया गया था। इसके बाद भी जब विरोध प्रदर्शनों का दौर और अधिक तेज हो गया तो आज सरकार द्वारा सेवानिवृत्त अग्नि वीरों को असम राइफल्स और केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों की भर्ती व केंद्रीय रक्षा मंत्रालय की नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लिया गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा इस आशय की जानकारी देते हुए कहा गया है कि इस आशय का आदेश गृह मंत्रालय से जारी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हम युवाओं को बेहतर भविष्य देने का प्रयास कर रहे हैं हम जो कहते हैं वह करते हैं। उन्होने कहा कि युवाओं को किसी बहकावे में आने की जरूरत नहीं है सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें नौकरी दी जाएगी। कोरोना के कारण दो साल

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

100वें जन्मदिन पर पीएम मोदी ने मां हीराबेन के पैर पखारे

नई दिल्ली। पीएम मोदी की मां हीराबेन आज अपना १००वां जन्मदिन मना रही हैं पीएम ने इस मौके पर उनसे घर पर मुलाकात की और आशीर्वाद लिया, उन्होंने तांबे के बर्तन में मां के पैर पखारे, इसके बाद उन्हें मिठाई खिलाई। तस्वीर में पीएम को मां के पैर पखारते हुए देखा जा सकता है। पीएम मोदी ने अपनी मां को समर्पित एक ब्लॉग में लिखा, मेरी मां जितनी सामान्य हैं, उतनी ही असाधारण भी। ठीक वैसे ही, जैसे हर मां होती है। उन्होंने कहा, एक बार मैं जब एकता यात्रा के बाद श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहराकर लौटा था तो अहमदाबाद में हुए नागरिक सम्मान कार्यक्रम में मां ने मंच पर आकर मेरा टीका किया था। पीएम मोदी ने कहा, दूसरी बार वह सार्वजनिक तौर पर मेरे साथ तब आई थीं, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली थी। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि मां, ये सिर्फ एक शब्द नहीं है, जीवन की वो भावना है, जिसमें स्नेह, धैर्य, विश्वास, कितना कुछ समाया है।

देश में दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है कोरोना की रफ्तार, पिछले 24 घंटो में 13216 नए मामले दर्ज

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस की रफ्तार दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। देश में पिछले २४ घंटे में १३,२१६ नए मामले दर्ज किए गए। शुक्रवार की तुलना में २.६ फीसदी अधिक हैं। देश में अब तक कुल मामलो की संख्या ४,३२,८३,७६३ हो गई हैं।

यहां ४,१६५ मामले आए. इसके बाद केरल में ३,१६२, दिल्ली में १,७६७, हरियाणा में ६८६ और कर्नाटक में ६३४ केस सामने आए हैं। पिछले २४ घंटे में कुल ५,१६,६०३ सैंपल का टेस्ट किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, नए मामलो में इन पांच राज्यों में ही ७६.०५ फीसदी मामले सामने आए हैं। महाराष्ट्र में ही ३१.५१ फीसदी केस

मिले है। देश में पिछले २४ घंटे में २३ मरीजों की जान गई है। मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर ५,२४,८४० हो गई है. हालांकि राहत की बात ये है कि देश में रिकवरी रेट ६८.६३ फीसदी बना हुआ है।

पिछले २४ घंटे में कुल ८,१४८ मरीज ठीक हुए हैं, जिससे देशभर में कुल ठीक होने वाले मरीजों की संख्या ४,२६,६०,८४५ हो गई है। भारत में कुल ६८,१०८ एक्टिव केस हैं। पिछले २४ घंटे में ५,०४५ एक्टिव केस बढ़े हैं. इसके अलावा, देश में पिछले २४ घंटे में कुल १४,६६,८२४ लोगों का कोविड वैक्सीनेशन किया गया है। अब तक कुल १,६६,००,४२,७६८ लोगों का कोविड वैक्सीनेशन हो गया है।

इससे पहले शुक्रवार को देश में कोरोना के १२८४७ केस मिले थे. जबकि १४ मरीजों की जान गई थी. यह गुरुवार की तुलना में ५.२ फीसदी ज्यादा थी। सबसे ज्यादा ४,२५५ मामलों के साथ महाराष्ट्र टॉप पर था। इसके बाद केरल में ३,४१६ मामले, दिल्ली में १,३२३ मामले, कर्नाटक में ८३३ मामले और हरियाणा में ६२५ मामले सामने आए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

आग से खेलते अग्निवीर

अंधेरे घर को रोशन करने के लिए जलाए जाने वाला चिराग ही अगर घर को जलाकर राख कर दे तो इसे आप क्या कहेंगे? देश के युवा जिन्हें सरकार अग्निवीर बनाकर देश और समाज की सुरक्षा की रूपरेखा बना रही थी वह अग्निवीर देश की संपदा को आग लगा रहे हैं। निश्चित तौर पर असहमति का यह अराजक तरीका किसी भी सूरत में सही नहीं कहा जा सकता है। देश और समाज को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति या संगठन को विरोध के नाम पर इस तरह की अराजकता की छूट नहीं दी जा सकती। युवाओं को अगर सरकार का यह प्रस्ताव मंजूर नहीं था तो वह इसका बहिष्कार भी कर सकते थे वह अग्निवीर अगर नहीं बनना चाहते तो न बने उन्हें कोई जबरन अग्निवीर बनने के लिए बाध्य तो नहीं कर रहा है या सरकार ने ऐसा कोई कानून चीन की तरह तो नहीं बना दिया है कि हर परिवार से एक युवक को सेना में अग्निवीर के तौर पर अपनी सेवाएं देनी ही होगी। यह समझने की बात है कि जिस संपत्ति को वह आग लगा रहे हैं वह पाकिस्तान या चीन की नहीं उनकी अपनी है अपने देश की है। इस संपदा को बहुत आसानी से हासिल नहीं किया जा सकता है। ट्रेन की एक ऐसी बोगी को बनाने में करोड़ों का खर्च आता है आगजनी करने वाले यह युवा जरा एक रेल का निर्माण करके दिखाएं जिन्होंने एक-दो दिन में ही दर्जनों ट्रेनें फूंक डाली है। सवाल यह भी है कि क्या ट्रेन, बसों या अन्य सरकारी संपदा को जलाने से वह रोजगार (नौकरी) हासिल कर लेंगे? ऐसे अराजक तत्व तो सही मायने में सेना तो क्या किसी भी सेवा में रखे जाने लायक नहीं है। खास और दुखद बात यह है कि यह युवा सरकार की कोई बात सुनने समझने को तैयार नहीं है। सरकार उनकी हर शंका के समाधान का प्रयास कर रही है। सरकार ने सेवानिवृत्त अग्नि वीरों को असम राइफल और केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों में 10 फीसदी आरक्षण देने की बात कही है उन्हें अपने कारोबार के लिए सस्ता बैंक ऋण दिए जाने की बात कही है यही नहीं तमाम राज्यों की सरकारों द्वारा उन्हें राज्य पुलिस में वरीयता के आधार पर रखे जाने का भरोसा दिया जा रहा है, बावजूद इसके यह युवा हिंसा व आगजनी का रास्ता छोड़ने को तैयार नहीं है। आज तीसरे दिन भी कई राज्यों में हिंसा और आगजनी का तांडव जारी है। इनके इस विरोध प्रदर्शन के पीछे जहां कुछ राजनीतिक दलों को बताया जा रहा है वहीं कुछ देश विरोधी ताकते भी इन युवाओं को भड़काने का काम कर रही हैं। यह आंदोलन भी अन्य सभी आंदोलनों की तरह समाप्त हो जाएगा। लेकिन ऐसी ताकतों को पहचाना जरूर जाना चाहिए जो देश के युवाओं को भड़का कर समाज में अराजकता फैलाने का षड्यंत्र कर रहे हैं। जो राजनीतिक दल इस मुद्दे पर अपनी राजनीति की रोटियां सेंक रहे हैं उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि इससे उन्हें भी कुछ हासिल होने वाला नहीं है। नकारात्मक राजनीति से न उनका कुछ भला हो सकता है और न राष्ट्र और समाज का।

आईना दिखाने की रणनीति

अगर भारत सरकार को अपनी छवि की फिक्र है, तो उसे अपने आत्म निरीक्षण करना चाहिए? उसे सोचना चाहिए कि तमाम वैश्विक रिपोर्टों से लोकतंत्र, धार्मिक एवं प्रेस स्वतंत्रता, मानव विकास आदि के पैमानों पर आज भारत की खराब छवि क्यों सामने आती है? भारत सरकार का यह रुख पहले से ही साफ है। अगर कोई उसकी किसी गलती या नाकामी की तरफ इशारा करे, तो उसका जवाब देने के बजाय दूसरे पक्ष के किसी अंधकारमय पक्ष की चर्चा से उसे घेरने की कोशिश की जाए। यही रुख धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति के बारे में अमेरिका के विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट पर एक बार फिर उभर कर सामने आया है। अमेरिका में बंदूक हिंसा है, रंगभेद है। ये बातें बिल्कुल ठीक हैं। इन्हें चर्चा में लाकर लोकतंत्र, मानव अधिकार या धार्मिक स्वंतत्रता जैसे विषय पर अमेरिका के नैतिक अधिकार को चुनौती देने का भी औचित्य हो सकता है। आखिर अब चीन भी यही कर रहा है। इसके बावजूद हकीकत यह है कि अमेरिका में मानव अधिकारों के हनन की कहानी बता देने से विश्व जनमत की निगाह में चीन बरी नहीं हुई है। उसी तरह अगर भारत सरकार समझती है कि अमेरिका को आईना दिखा देने से विश्व जनमत का ध्यान उससे जुड़े मुद्दों से हट जाएगा, तो इसे उसका भ्रम ही कहा जाएगा। अतीत की तरह आज भी यही सच है कि मानव अधिकार हनन जैसी रिपोर्टों से किसी देश की अंदरूनी स्थिति को सुधारने में कोई खास मदद नहीं मिलती। इसके लिए लड़ाई तो उसी देश के लोगों को लड़नी होती है, जहां ये समस्या है। फिर भी दुनिया की चेतना आज जिस स्तर तक पहुंच चुकी है, उसमें ऐसी घटनाएं संबंधित देश के सत्ताधारियों की छवि पर असर डालती हैं, भले छवि बिगड़ने से उनकी सत्ता पर ज्यादा फर्क ना पड़े। तो मुद्दा यह है कि अगर भारत सरकार को अपनी छवि की फिक्र है, तो उसे अपने आत्म निरीक्षण करना चाहिए? उसे सोचना चाहिए कि तमाम सरकारी या गैर-सरकारी वैश्विक रिपोर्टों से लोकतंत्र, प्रेस स्वतंत्रता, मानव विकास आदि के पैमानों पर आज भारत की खराब छवि क्यों सामने आती है? अगर उसे छवि की चिंता नहीं है, तो फिर बेशक वह रिपोर्ट तैयार करने वाली तमाम संस्थाओं और अमेरिका जैसे देशों को आईना दिखाने की रणनीति पर आगे बढ़ सकती है। बहरहाल, ये बात ध्यान में रखने की है कि सच को ना हमेशा के लिए दबाया जा सकता है और ना उसे छिपाना संभव है। (आरएनएस)

एक नए भारत की ओर, नरेंद्र मोदी शासन के 8 साल

●नरेश बंसल, सासंद राज्यसभा

कुछ लोग अपने शौर्य , पराक्रम , संकल्प और शानदार कार्य प्रदर्शन से इतिहास में गरिमामयी स्थान पाते हैं और कुछ अपनी शख्सियत से इतिहास बनाते हैं । दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र – भारत के संसदीय इतिहास में १४ मई २०१४ का दिन एक स्वर्णिम दिवस है जब भारतीय संसद में पहली बार चुने गए। नरेंद्र मोदी ने अपना पहला कदम लोकतंत्र के मंदिर में रखा और पहली सीढ़ी पर अपना सिर नवाकर ईश्वर की कृपा और १३५ करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद के लिए अपना सम्मान अभिव्यक्त किया । भारत के १४ वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले नरेंद्र मोदी ने संसद के सदस्य के रूप में अपने पहले ही अवसर पर प्रधानमंत्री के पद की शपथ ली जो पूरे विश्व में एक विस्मरणीय घटना है । २६ मई, २०१४ को कार्य भार ग्रहण करने वाले नरेन्द्र मोदी का एकमात्र लक्ष्य माँ भारती का सम्मान और गौरव है और संकल्प है देश के हर नागरिक की खुशहाली ।

आठ वर्ष पूर्व ऐसा प्रतीत हो रहा था कि भारत अस्थिरता के गम्भीर कगार पर है। बडे पैमाने पर हो रहा भ्रष्टाचार, बार–बार होने वाले आतंकी हमले और कमजोर अर्थ व्यवस्था अत्यधिक चिंतनीय अवस्था में थे । भारत की वैश्विक रैंकिंग लगातार गिर रही थी। यह वह समय था जब भारतीय नागरिकों का सरकार और संस्थानों पर से भरोसा उठ रहा था। नरेंद्र मोदी जी ने उस महत्वपूर्ण मोड़ पर बागडोर संभाली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को शासन में ८ साल पूरे होने पर देश भर में जश्न मनाये जा रहे हैं ; प्रधान सेवक के रूप में श्री मोदी ने एक भी दिन अवकाश नहीं लेते हुए सतत रूप से समर्पित हो कर कार्य किया है ।मोदी जी ने विदेशों में भारत के गौरव का परचम लहराया है । भारत की सुरक्षा , आर्थिक प्रगति , युवा विकास , किसानों की खुशहाली और भारत के करोड़ों गरीब नागरिकों के जीवन की बेहतरी के लिए अपनी पूरी शक्ति और सामर्थ्य लगा दिया ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ३० मई, २०१६ को अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ ली थी। वह पहली बार २६ मई, २०१४ को भारत के प्रधानमंत्री बने थे। नरेंद्र मोदी जी ने २०१४ से देश की बागडोर संभाली और तभी से भारत अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करते हुए न केवल उन पर काबू पा रहा है, बल्कि हर बार इन चुनौतियों पर विजय प्राप्त करते हुए सुशासन में नए स्वघ्णम

सद्यश्चिन्नु ते मघवन्नभिष्टौ नरः शंसन्त्युक्थशास उक्था।
ये ते हवे भिर्वि पणीँरदाशन्नस्मान्वृणीष्व युज्याय तस्मै।।

(ऋग्वेद ७–१६–६)

विद्वानों से दिव्य ज्ञान प्राप्त करने से कृपण वृत्ति वाला व्यापारी भी उदार दाता बन जाता है।

By getting the divine knowledge of scholars, even a businessman with a miserable attitude becomes a generous donor.
(Rig Veda 7-19-9)

मानक स्थापित कर रहा है, जिनका विश्व के अन्य देश अनुसरण कर सकते हैं। यदि ८ वर्षों में प्रधानमंत्री पर जनता के भरोसे का का आंकलन किया जाए तो हम पाएंगे कि ये भरोसा सतत् रूप से बढ़ा है । एक आम नागरिक के मन में ये विश्वास जागा है कि सरकार चलाने के मोदी–सुशासन में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं है। आर्थिक योजनाओं का सीधा–सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुँचाने के लिए बनायी गई नई व्यवस्थाओं में बिचौलियों की भूमिका को समाप्त कर दिया गया है ताकि योजनाओं का लाभ सीधे – सीधे जनता तक पहुँच सकें । सत्ता के गलियारों से भ्रष्टाचार गायब है । इस देश ने अरबों रुपए के घोटालों में मंत्रियों, सांसदों और मुख्यमंत्रियों को जेल जाते देखा है लेकिन पिछले ८ वर्षों में सत्ता पर भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं लगा है ; शासन ने किसी को भी कोई उंगली उठाने का अवसर नहीं दिया है। प्रधानमंत्री का कहना बिल्कुल सत्य है कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने ऐसा कोई गलत काम नहीं किया जिससे देशवासियों को सिर झुकाना पड़े।

वैश्विक महामारी का प्रबंधन करना हो, आतंकवाद से लडना हो या अपने नागरिकों को विदेशी धरती पर सबसे प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाना हो, मोदी सरकार ने जन आकांक्षाओं के अनुरूप ही कार्य किया है।सरकार ने गरीबों की सेवा, सुशासन और गरीब के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद ३७० को खत्म करने, तीन तलाक को श्अपराधश् बनाने, पीओके में सर्जिकल स्ट्राकल करने, जीएसटी लागू करने, नागरिकता संशोधन कानून लागू करने , करीब ८० करोड़ भारतीयों को कोरोना महामारी के दौरान नागरिकों को मुफ्त अनाज देने, गरीबों को पक्के घर देने और आयुष्मान भारत योजना ऐसे फैसले रहे जिनसे न केवल राष्ट्र मजबूत हुआ बल्कि यह साबित हुआ कि सरकार की नीतियां और नीयत समर्पित सुशासन की है , उनमें कोई खोट नहीं है । सृजनात्मक कल्याणकारी योजनाओं ने देश का चेहरा बदला है।

पी एम नरेंद्र मोदी जी ने सत्ता को सेवा का माध्यम मानकर गरीबों, किसानों, महिलाओं व वंचितों को उनके अधिकार दिए जिससे लोकतंत्र में उनका विश्वास जगा और वो देश की विकास यात्रा में सहभागी बने । गत ८ सालों में नरेंद्र मोदी जी ने देश के हर नागरिक के सपनों व आकांक्षाओं को पंख देकर उनमें नया आत्मविश्वास जगाया है । मोदी जी ने अपने सक्षम नेतृत्व व दृढ़ इच्छाशक्ति से न केवल देश की सुरक्षा को सशक्त किया है बल्कि कई ऐसे निर्णय लिए जिससे हर देशवासी का सिर गर्व से ऊंचा उठा । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के आठ वर्ष उपलब्धियों और सफलताओं से परिपूर्ण रहे हैं ।

पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार चुस्त और संवेदनशील रही है और कई महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कार्य किया जिसमे जम्मू–कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर भारत तक के संदर्भ में लिए गए साहसिक फैसलों के चलते जनता राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ी है। आतंकवाद अब अंतिम सांसें गिन रहा है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ–साथ गृहमंत्री अमित शाह को भी जाता है। है। जम्मू–कश्मीर बना भारत का अभिन्न अंग और जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद ३७० को खत्म करने, तीन तलाक को श्अपराधश् बनाने, पीओके में सर्जिकल स्ट्राकल करने, जीएसटी लागू करने, नागरिकता संशोधन कानून, अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण, दिव्य कशी भव्य काशी का सपना हुआ साकार, बाबा केदारनाथ धाम का पुनरुद्धार, सोमनाथ का विकास, स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी का निर्माण लौह पुरुष को सम्मान, बाबा साहब भीमराव से जुड़े पंचतीर्थ का निर्माण, आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित जनजातीय संग्रहालय का निर्माण, संविधान दिवस, सामाजिक समरसता दिवस, विभाजन विभीषिका दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, जनजातीय गौरव दिवस और योग दिवस की शुरुआत, नेशनल वॉर मेमोरियल और प्रधानमंत्री संग्रहालय का निर्माण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नमामि गंगे – गंगा नदी का न सिर्फ़ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है बल्कि देश की ४०: आबादी गंगा नदी पर निर्भर है अतः गंगा की सफाई, गरीब सवर्णों को आरक्षण, ओबीसी कमीशन को संवैधानिक मान्यता, वन रैंक वन पेंशन, वन नेशन, वन राशन कार्ड, १४५० पुराने और बेकार कानूनों से मिली जनता को राहत, ऐतिहासिक श्रम सुधार कानून क्रियान्वित।

सेवा की बात की जाए तो कोरोना के इस वैश्विक संकट में देश के सभी नागरिकों के लिए टीके के दोनों डोज मुफ्त देने की सेवा से लेकर समूचे देश के पीड़ितों तक चिकित्सा एवं अन्य तमाम राहत समग्री की सेवा जिस प्रधानमंत्री ने अपना पदनाम ही प्रधान सेवक रख लिया हो, उसके संवेदनशील नेतृत्व में केंद्रीय सत्ता और संगठन को सेवा का पर्याय ही बना दिया गया। सुशासन जिसमे समूचा देश आज लगभग दंगामुक्त हो गया है साम्प्रदायिक और तुष्टिकरण की राजनीति को विराम लगा है कश्मीर से कन्यामुमारी तक भारत की एकता और अखंडता जितनी आज मज़बूत है, वैसा पहले कभी नहीं रही दुनिया भर में आज पीएम मोदी के सुशासन की पहचान है अनेक वैश्विक संगठनों ने मोदी जी को विश्व के सर्वश्रेष्ठ नेता का ख़िताब दिया है यह हम सबके लिए गर्व की बात है। भले ही महामारी एक आकस्मिक घटना थी, लेकिन इसके खिलाफ मोदी सरकार की प्रतिक्रिया अप्रत्याशित थी। हर स्तर पर मोदी सरकार महामारी के पूर्व के वर्षों में किए गए आधारभूत कार्यों का पूरा लाभ उठा रही थी। उदाहरण के लिए जनधन,आधार, मोबाइल तिकड़ी द्वारा प्रदत्त डिजिटल पुश आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति को सेवाएं देने में एक शक्तिशाली उपकरण साबित हुआ। भारत का टीकाकरण अभियान व्यवस्थित,

◀◀ शेष पृष्ठ 6 पर

तिलवाड़ा मार्ग पर वाहन खाई में गिरा, एक की मौत चार घायल

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। मयाली तिलवाडा मार्ग पर वाहन खाई में गिरने से एक की मौत हो गयी चार गम्भीर रूप से घायल हो गये। एसडीआरएफ की टीम ने सभी घायलों को बाहर निकाल अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीआरएफ टीम को देर रात्रि थाना अगस्त्यामुनी से सूचना प्राप्त हुई कि मयाली तिलवाड़ा के बीच एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में गिर गया। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट अगस्त्यामुनी से उप निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम मय रेस्क्यू उपकरणों के तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। एसडीआरएफ टीम को घटनास्थल पर पता चला कि वाहन ऑल्टो जिसमे 05 लोग सवार थे जो मयाली से पैखाल की ओर आ रहे थे तिलवाड़ा से थोड़ी दूर आगे जाकर वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होकर लगभग 300 मीटर गहरी खाई में गिर गई। जिससे वाहन में सवार 04 लोग घायल हो गए व एक व्यक्ति को मौके पर मृत्यु हो गई। एसडीआरएफ टीम द्वारा अत्यंत विषम परिस्थितियों व रात्रि के घनघोर अंधेरे में त्वरित रेस्क्यू कर उक्त वाहन में सभी घायलों को मुख्य मार्ग तक लाया गया तथा उसके उपरांत सर्वप्रथम प्राथमिक उपचार देकर 108 के माध्यम से अस्पताल भेजा गया व उसके पश्चात मृतक के शव को बरामद कर मुख्य मार्ग तक पहुंचाकर बॉडी बैग के माध्यम से जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्मैक व चरस के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक व चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने राधा स्वामी सतसंग भवन के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से छह ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम मौहम्मद आरिफ पुत्र जाहिद निवासी मदनी कालोनी माजरा बताया। वहीं बसंत विहार थाना पुलिस ने एकता चौक के पास से एक युवक को 119 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ मे उसने अपना नाम किशन कुमार पुत्र रामनारायण निवासी एमडीडीए कालोनी पटेलनगर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

'अग्निपथ' केंद्र सरकार का अविवेकपूर्ण निर्णयः जोशी

नगर संवाददाता

देहरादून। जन सरोकारों से जुड़े चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के केंद्रीय प्रवक्ता महेश जोशी ने केंद्र सरकार द्वारा युवाओं पर अग्निपथ जैसे अविवेकपूर्ण एवम अव्यवहारिक निर्णय थोपने की आलोचना की है, जिससे देश की सुरक्षा व सेना के प्रति लगाव में कमी आयेगी।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के युवाओं में फौज के प्रति लगाव और जुनून है जो यहां की माटी में कूट कूट कर भरा है यहां के प्रत्येक परिवार से दो तीन लोग सेना में है और देश की रक्षा में अपना सर्वस्व निछावर करते हैं । केंद्र सरकार के निर्णय से पहाड़ के युवा जो फौज में भर्ती की तैयारी कर रहे थे और अपने सुनहरे भविष्य के अपने देख रहे थे खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं जिससे युवाओं में काफी रोष है। उ

न्होंने कहा कि इस तरह के हालात उन्नीस सौ नब्बे में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. विश्वनाथ प्रताप सिंह के शासनकाल में मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू करने से हुए थे जिससे प्रदेश देश का युवा भड़क गया और आंदोलन को मजबूर हो गया और राज्य निर्माण की मांग तेज हो गई जो उत्तराखंड के निर्माण में मील का पत्थर साबित हुआ। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सेना जैसे महत्वपूर्ण विभाग जिसके जिम्मे राष्ट्र की सुरक्षा की जिम्मेवारी है इस तरह के प्रयोग नही होने चाहिए ऐसे फैसले को सरकार तुरंत वापस लेकर सीधी स्थाई भर्ती करे जिससे युवाओं का मनोबल बना रहे और सेना के माध्यम से देश सेवा का जुनून बना रहे।

मेडिकल बोर्ड घायल अग्निवीरों को आउट पेंशन व अन्य वीरों को मेडिकल सुविधा देगी सरकार ?: मोर्चा

नगर संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने सरकार की अग्निपथ योजना को लेकर इस मामले में सरकार से सवालात किए कि क्या सेवा के दौरान अंग -भंग एवं गंभीर रूप से घायल वीरों को मेडिकल बोर्ड आउट पेंशन देगी! क्या सरकार सेवानिवृत्ति के उपरांत इन वीरों को मेडिकल की सुविधा देगी! क्या सरकार सांसद, विधायक की तर्ज पर इन वीरों को पेंशन देगी! क्या सेवानिवृत्ति के उपरांत 75 फीसदी वीर सड़कों पर आंदोलन नहीं करेगें!

नेगी ने कहा कि अगर सरकार इन वीरों को सेवानिवृत्ति के बाद विधायक, सांसद की तर्ज पर पेंशन की व्यवस्था करे तो इसमें कोई हर्ज नहीं हैं। लेकिन सरकार देश की सीमाओं पर तैनात अर्धसैनिक बलों के जवानों तक को पेंशन नहीं दे रही तो इन जवानों को क्या देगी! उन्होने कहा कि दुर्भाग्य देखिए कि विधायक व सांसद शपथ ग्रहण करते ही इस्तीफा दे व उसकी मौत हो जाए तो वे

❑वर्षो से संविदागत कर्मचारी अपने भविष्य को लेकर हैं चिंतित

ताउम्र पेंशन, पारिवारिक पेंशन का हकदार हो जाते है, लेकिन सरकार सीमाओं पर तैनात अर्धसैनिक बलों के जवान को इसका हकदार नहीं मानती।

नेगी ने इस अग्निपथ योजना के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह एवं तुलनात्मक उदाहरण देते हुए कहा की प्रदेश के संविदा गत हजारों उपनल कर्मचारी, निगमों में कार्यरत कर्मचारी 10-15 वर्षों से अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं, लेकिन आज तक उनका विनियमितीकरण नहीं हो पाया। इसी तरह शिक्षा विभाग व अन्य विभागों के दैनिक वेतन भोगी आदि कई माध्यमों से वर्षों से कार्य करने वाले कर्मचारी ओवरेज होने एवं नियमित न होने के कारण रात को चैन से नहीं सो पाते। इस योजना के दुष्परिणाम स्वास्थ्य विभाग में कोविड-19 के समय नौकरी पर लगाए गए युवाओं से पूछिए। नेगी ने कहा कि सरकार इन अग्नि वीरों को नौकरियों में आरक्षण की बात कर रही है, जबकि सरकार की नियत को सभी जानते हैं कि जब कर्मचारियों एवं युवाओं को कुछ देने की बात आती है तो सरकार स्पेशल अपील में चली जाती है। इसके अतिरिक्त इन अग्निवीरों की सेवानिवृत्ति तक सरकारी नौकरियां एवं उद्योग बचेंगे ही नहीं तो खाक आरक्षण देगी सरकार! नेगी ने कहा कि सेना में काम स्थाई प्रवृत्ति का होता है अस्थाई प्रवृत्ति का नहीं, सिर्फ युद्ध एवं भारी आपातकाल के समय ये व्यवस्था हो सकती है, लेकिन इस व्यवस्था के निश्चित तौर पर दुष्परिणाम आएंगे।

बिजली चोरी में दो नामजद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने बिजली चोरी में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी उप संस्थान लच्छीवाला के अवर अभियंता लक्ष्मी ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने भानियावाला ग्राम पंचायत घर के पास मांगेराम पुत्र साधुराम व विरेन्द्र पुत्र जातीराम के मकान पर छापा मारा तो वहां पर दोनों के द्वारा विद्युत लाईन पर कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पाया गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर्थिक रुप से कमजोर बच्चों के लिए निशुल्क कम्प्यूटर सेंटर का उद्घाटन

देहरादून (सं)। राजधानी देहरादून के नेशविला रोड में आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए कृष्णा सेवा ट्रस्ट की ओर से कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट का उदघाटन कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक अमित मित्तल द्वारा बताया गया कि इस इंस्टीट्यूट में आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। ताकि ऐसे बच्चे भी कम्प्यूटर सीखने की दिशा में अपने कदम बढ़ा सके। साथ ही उन्हे प्रशिक्षण के बाद प्रशस्ति पत्र भी दिया जायेगा जिससे अभ्यर्थी विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के योग्य होगा। इस मौके पर ट्रस्ट सचिव सुरेश शर्मा, अजय कुमार, नुपूर मित्तल, रजनी शर्मा, आरके त्यागी, नरेन्द्र मित्तल, आकाश बंसल व दीपक बड़थ्वाल आदि मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा में संचालित एक ही नम्बर की दो टेम्पो ट्रैवलर बरामद, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। चारधाम यात्रा में संचालित की जा रही एक ही नम्बर की दो टेम्पो ट्रैवलर बरामद करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज चमोली पुलिस को सूचना मिली कि एक ही पंजीकरण नंबर की दो टेम्पो ट्रैवलर जोशीमठ से बद्रीनाथ धाम की तरफ गयी है जो कि फर्जी पंजीकरण नंबर से चलाई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे के संज्ञान में मामला आते ही उनके द्वारा दोनों वाहनों की खोजबीन के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए यातायात निरीक्षक कैलाश चन्द्र शर्मा के नेतृत्व में बद्रीनाथ धाम से माणा तक सभी वाहनों की गहनता से छानबीन की गयी। काफी खोजबीन करने के बाद पुलिस टीम को माणा रोड़ की तरफ एक

वाहन व दूसरा माणा पार्किंग में मिला। दोनो गाडियों में एक ही पंजीकरण नंबर की नंबर प्लेट लगी हुयी थी। एक ही नंबर प्लेट होने पर संदिग्ध पाये जाने पर पुलिस ने दोनों चालकों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम सुनील कुमार पुत्र करमचंद निवासी नामगढ़ पटियाला पंजाब व राकेश कुमार पुत्र ध र्मचंद निवासी बजवाड़ा होशियारपुर पंजाब बताया। पहले तो दोनों चालक गाड़ी नंबर सही होने की बात कहते रहे लेकिन बाद में जैसे ही दोनों वाहनों के दस्तावेजों की गहनता से जाँच की गयी तो फर्जीवाडे का राज खुल गया। जिसमें चालक राकेश कुमार व वाहन स्वामी चरणजीत सिंह व अन्य अज्ञात व्यक्तियों द्वारा धोखाधड़ी, कूट रचनाकर व नकली दस्तावेज बनाकर दो टेम्पो ट्रैवलर एक ही नम्बर से चलाना पाया गया। जिसके आधार पर पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर लिया गया है।

घर पर आसानी से तैयार किए जा सकते हैं फेस प्राइमर, जानिए पांच तरीके

फेस प्राइमर एक मेकअप प्रोडक्ट है, जो आपकी त्वचा और मेकअप के बीच एक सुरक्षित परत कायम करता है। यह चेहरे पर किए गए मेकअप को लंबे समय तक ठीक रखने और त्वचा को हाइड्रेट करने में भी काफी मदद कर सकते हैं। हालांकि, अगर आप बिना पैसे खर्च किए फेस प्राइमर चाहते हैं तो आप इसे खुद ही घर पर बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए फिर आज पांच तरह के फेस प्राइमर बनाने के तरीके जानते हैं।

अगर आपकी त्वचा रूखे प्रकार है कि आपके लिए एलोवेरा और ग्लिसरीन से बना फेस प्राइमर इस्तेमाल करना लाभदायक साबित हो सकता है क्योंकि यह त्वचा को तरोताजा और हाइड्रेट बनाए रखने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक मेकअप कंटेनर में ताजा एलोवेरा जेल और ग्लिसरीन की बराबर मात्रा मिलाएं, फिर इसमें थोड़ा फेस सीरम मिलाएं और इस मिश्रण का इस्तेमाल बतौर फेस प्राइमर करें।

यह फेस प्राइमर तैलीय प्रकार की त्वचा वालों के लिए परफेक्ट है क्योंकि टी ट्री ऑयल त्वचा के अतिरिक्त तैलीय उत्पादन को सोखने में मदद करता है और आपके चेहरे को चिकना होने से रोकता है, जबकि विच हेल ऑयल त्वचा को हाइड्रेट करता है। फेस प्राइमर बनाने के लिए सबसे पहले एक स्प्रे बोतल को डिस्टिल्ड वॉटर से भरें, फिर इसमें विच हेजल ऑयल, ग्लिसरीन और टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं। बस आपका फेस प्राइमर तैयार है।

यह फेस प्राइमर आपकी त्वचा को हाइड्रेट करने और प्राकृतिक चमक देने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, यह आपकी त्वचा के पीएच स्तर को भी संतुलित करता है और त्वचा की लोच में सुधार करता है। फेस प्राइमर बनाने के लिए अलसी के बीज को गर्म पानी में मिलाएं, फिर इसे ठंडा होने दें और पेस्ट को छान लें। अब इसमें थोड़ा अरारोट पाउडर मिलाकर इस मिश्रण को इस्तेमाल से पहले कुछ मिनट के लिए फ्रिज में रखें।

गुलाब जल से बना फेस प्राइमर आपकी त्वचा को गुलाबी चमक देगा और आपके मेकअप को भी लंबे समय तक बनाए रखेगा। वहीं, इससे आपकी त्वचा को ठंडक और नमी मिलेगी। फेस प्राइमर बनाने के लिए एक स्प्रे बोतल को आधा ताजे गुलाब जल से भरें, फिर इसमें ग्लिसरीन और एलोवेरा जेल मिलाएं और जब भी आप मेकअप के दौरान फाउंडेशन लगाने वाले हो, उससे पहले इस प्राइमर का अपने चेहरे पर छिड़काव करें।

समुद्री नमक एक बेहतरीन एक्सफोलिएंट के रूप में कार्य करके आपकी त्वचा से कई तरह की अशुद्धियां खत्म कर सकता है और इसमें मौजूद खनिज आपकी त्वचा को कोमल और मुलायम बनाते हैं, जबकि नारियल का तेल त्वचा को मॉइश्चराइज करने में सहायक है। फेस प्राइमर बनाने के लिए एक स्प्रे बोतल में थोड़ा गर्म पानी, समुद्री नमक, एलोवेरा जेल, लैवेंडर का तेल और नारियल का तेल डालें और बोतल को अच्छी तरह हिलाएं, फिर इसका इस्तेमाल करें। (आरएनएस)

नया गाना इस बारिश में के लिए साथ आए शाहिर शेख और जैस्मीन भसीन

अभिनेता शाहिर शेख और जैस्मीन भसीन पहली बार मानसून गान इस बारिश में में दिखेंगे एक साथ। यह गीत प्यार और बारिश के उपचार मिलन को दर्शाता है। मानसून की तरह, इस बारिश में श्रोताओं को याद दिलाने, अपनी आंतरिक आवाज से फिर से जुड़ने और प्यार में पड़ने के लिए मजबूर करेगा।

अभिनेता शाहिर कहते हैं, जब से मैं इसकी शूटिंग कर रहा हूं, तब से मैं इस बारिश में म्यूजिक वीडियो को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। यह पहली बार है जब मैंने जैस्मीन के साथ शूटिंग की और यह मेरे लिए सबसे अच्छा अनुभव था। दर्शक इस गाने को पूरे प्यार से सराबोर कर देंगे और इसे लूप पर सुनेंगे।

जैस्मीन भसीन का कहना है, मैं बहुत उत्साहित हूं कि गाना खत्म हो गया है। जिस मिनट मैंने गाना सुना, मुझे यकीन था कि यह मेरा बारिश का गीत होगा। मुझे आशा है कि यह बारिश की श्रोताओं की यादों का हिस्सा बन जाएगा। कुछ भी मिश्रण का मिश्रण नहीं है बारिश और एक गीत जिसे दोहराने पर सुना जा सकता है।

यह ट्रैक रिपुल शर्मा द्वारा रचित है, जिसे शरद त्रिपाठी ने लिखा है। इस गाने को आवाज यासर देसाई और नीति मोहन ने दी है। इसका संगीत वीडियो आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित किया गया है।

सारेगामा द्वारा प्रस्तुत इस बारिश में अब सारेगामा म्यूजिक यूट्यूब चैनल पर लाइव है और सभी म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

वॉटर पार्क का सुरक्षित तरीके से लुत्फ उठाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

वॉटर पार्क आराम देने, तरोताजा महसूस कराने और ठंडक पहुंचाने वाला एक लोकप्रिय स्थान है। अगर आप वॉटर पार्क घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं तो आपके लिए कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है ताकि आप सुरक्षित तरीके से पानी की गतिविधियों का जमकर लुत्फ उठा सकें। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी सेफ्टी टिप्स के बारे में बताते हैं, जिन्हें अपनाकर वॉटर पार्क का आनंद ले सकते हैं।

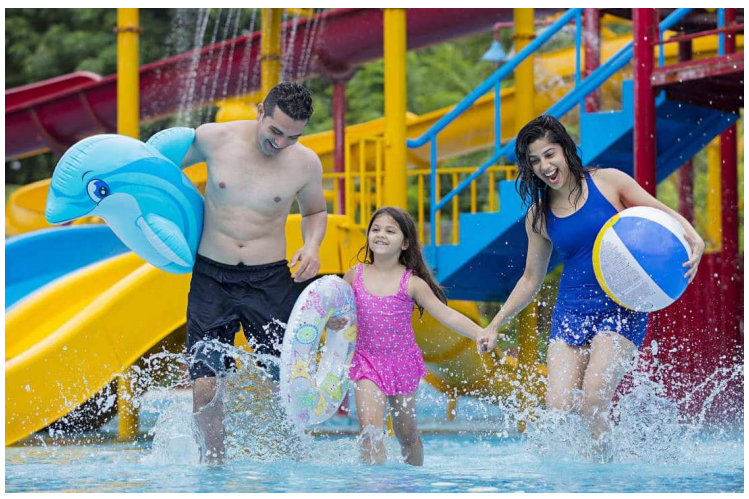

सनस्क्रीन लगाएं

अगर आप किसी वॉटर पार्क में जाने वाले हैं तो उससे अपनी त्वचा पर पर्याप्त मात्रा में सनस्क्रीन जरूर लगाएं ताकि यह सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बची रहे। वॉटर पार्क में पहुंचने से 30 मिनट पहले एसपीएफ युक्त वाटरप्रूफ सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना बेहतर होगा। अधिकतम सुरक्षा के लिए हर दो घंटे बाद अपनी त्वचा पर सनस्क्रीन लगाएं। इसके अलावा, सीधी धूप से खुद को बचाने के लिए सनग्लासेस, ढीले-ढाले कपड़े और टोपी पहनें।

हाइड्रेटेड रहें

अगर आपको लगता है कि वॉटर पार्क में पानी की गतिविधियों के दौरान आप प्राकृतिक तरीके से हाइड्रेट होते हैं तो आप गलत हैं। अपने शरीर को हाइड्रेट करने, हीट स्ट्रोक से बचाने और स्वस्थ और तरोताजा महसूस करने के लिए बीच-बीच में पानी का सेवन करते रहें। इसके अतिरिक्त, अधिक मीठे और कैफीन युक्त पेय पदार्थों से दूरी बनाकर रखें क्योंकि ये डिहाइड्रेशन की समस्या को बढ़ा सकते हैं।

वॉटर पार्क के नियमों के बारे में जानें

हर वॉटर पार्क के लिए अलग-अलग नियम हैं, इसलिए याद रखें कि वॉटर पूल में जाने से पहले सब कुछ ध्यान से पढ़ें और बच्चों को उनके लिए बनाए गए वॉटर पूल में ही खेलने के लिए भेजें। वॉटर पार्क में अलग-अलग आयु समूहों के लिए अलग-अलग स्लाइड और राइड हैं, लेकिन उनका लुत्फ उठाने से पहले अपने वजन, ऊंचाई, उम्र और चिकित्सक स्थितियों से संबंधित सभी निर्देशों और सावधानियों को अच्छे से पढ़ें।

स्वीमिंग से जुड़ी बेसिक बातें पता होना है जरूरी

वॉटर पार्क जाने से पहले यह जरूर सुनिश्चित कर लें कि आपके परिवार का प्रत्येक सदस्य पानी में सुरक्षित रहने के लिए स्वीमिंग से जुड़ी बेसिक बातों को जानता हो। इसके अतिरिक्त, इस बात का भी ध्यान रखें कि आपके बच्चे पानी की कम गहराई वाले क्षेत्रों में खेलें। इसके साथ ही सुरक्षा बनाए रखने के लिए उन्हें स्लाइड या बड़े तरंग पूल से दूर रखें।

दौड़ने की बजाय वॉटर पार्क में घूमें

वॉटर पार्क में चलने की सतह आमतौर पर बहुत गीली और फिसलन भरी हो जाती है, इसलिए किसी भी खतरनाक दुर्घटना को रोकने के लिए वॉटर पार्क में बिल्कुल भी न दौड़ें। दरअसल, फिसलन वाले फुटपाथ के आसपास दौड़ना और जल्दबाजी में सीढ़ियों से ऊपर और नीचे करने से दुर्घटनाओं के जोखिम बढ़ सकते हैं। इसलिए वॉटर पार्क में दौड़े नहीं बल्कि धीमे-धीमे पैर रखते हुए घूमें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

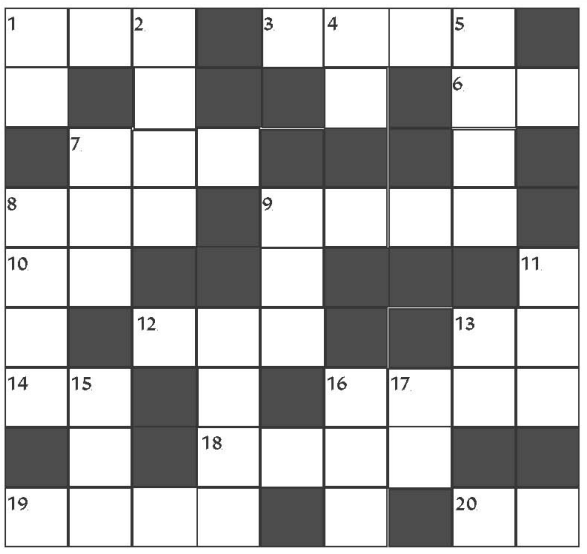

1		2	■	3	4		5	■
	■		■	■		■	6	
■	7			■	■	■		■
8			■	9				■
10		■	■		■	■	■	11
	■	12			■	■	13	
14	15	■		■	16	17		
■		■	18				■	■
19				■		■	20	

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	■
प	■	ति	■	■	र	क्ष	क	■
र	ह	मा	न	■	■	■	■	आ
वा	■	■	मि	थु	न	■	दा	स
ह	वा	ला	त	■	सी	ता	■	पा
■	न	■	■	■	ब	क	वा	स
औ	र	त	■	म	■	त	■	■
ला	■	बे	च	ना	■	व	च	न
द	ह	ला	■	ना	ग	र	■	दी

फिल्म 'विराट पर्वम' का ट्रेलर हुआ रीलीज़, दमदार किरदार में दिखे राणा दग्गुबाती और साई पल्लवी

साऊथ के सुपर हीरो राणा दग्गुबाती एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपने अलग अंदाज में आने वाले हैं फ़िल्म 'विराट पर्वम' में इनका साथ साई पल्लवी दे रही है। फिल्म निर्माताओं ने इसका ट्रेलर रिलीज कर दिया है जो काफी अच्छा लग रहा है। यह फिल्म काफी सुर्खियों में रही है। फिल्म की कहानी एक क्रांतिकारी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रेम कहानी है। इस फिल्म की रिलीज कई बार टाली जा चुकी है। यह फिल्म पिछले साल ही रिलीज होने वाली थी लेकिन कोरोना महामारी की दूसरी लहर के चलते इसकी रिलीज रोकनी पड़ी। इसके बाद भी कुछ अज्ञात कारणों से फिल्म रिलीज नहीं हो पाई।फ़िलहाल फिल्म के निर्माता इसके प्रचार पर लगे हुए है. फिल्म एक लड़की की प्रेम कहानी बताती है जिसे अपने क्रांतिकारी लेखक से प्यार हो जाता है और वेणु उदुगुला ने इस कहानी को युद्ध के बीच में निर्देशित किया है। फिल्म की बात करें तो इस को लेकर राणा दग्गुबाती को कई बार सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया है जिसका उन्होंने करारा जवाब दिया था। फिल्म का पोस्टर रिलीज होने के बाद एक यूजर ने इस पर असंवेदनशील कमेंट का हवाला देते हुए लिखा, 'क्या ये लोग अपने बैनर की फिल्मों में मानक नहीं रख सकते?' इस पर राणा दग्गुबाती ने जवाब दिया और लिखा कि, 'इसे एक विशेषाधिकार माना जाता है।' साउथ के सुपरस्टार राणा दग्गुबाती और साईं पल्लवी के अलावा इस फिल्म में प्रियामणि, नंदिता दास, निवेथा पेथुराज, ईश्वरी राव, रवि आनंद, नवीन चंद्रा, जरीना वहाब और कई और कलाकार इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को सुरेश प्रोडक्शंस और श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर सिनेमाज के बैनर तले सुरेश बाबू और सुधाकर चेरुकुरी के जरिए निर्मित है. (आरएनएस)

कार्तिक आर्यन ने भूल भुलैया 2 के आउटफिट को यादगार बनाया

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन, जो वर्तमान में अपनी हालिया रिलीज भूल भुलैया 2 की वजह से खूब मस्ती कर रहे हैं, ने फिल्म से अपने पहनावे को एक स्मृति चिन्ह के रूप में रखा है। फिल्म ने हिंदी फिल्म उद्योग के लिए एक सूखा जादू तोड़ दिया और महामारी के बाद सबसे बड़ी हिंदी ब्लॉकबस्टर बन गई।

कार्तिक का रूह बाबा का किरदार भी देश भर में लोगों के बीच हिट रहा, जिससे उनमें फूट पड़ गई।

उसी के बारे में बात करते हुए कार्तिक ने एक बयान में कहा, मैंने फिल्म के रैप के बाद रूह बाबा का पहनावा लिया। यह एक विशेष पोशाक है जब भी मैंने इसे फिल्म में पहना, दर्शकों ने ताली बजाई और खुशी मनाई और यह बहुत संतोषजनक था।

उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म और यह किरदार हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा। जब भी मैं केप के पास आता हूं, तो मैं बहुत अभिभूत हो जाता हूं, अच्छे पुराने शूटिंग के दिनों की याद दिलाता हूं। यह एक बहुत ही खास इमोशन है।

वरिष्ठ फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के अनुसार भूल भुलैया 2 ने बॉक्स ऑफिस पर पहले ही 164 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है और अक्षय कुमार-स्टारर सम्राट पृथ्वीराज को आराम से बाहर कर दिया है, जिसने शुक्रवार तक 55 करोड़ रुपये की निराशाजनक कमाई की थी। विडंबना यह है कि अक्षय कुमार ने भूल भुलैया की पहली किस्त में अभिनय किया।

ऋतिक, सैफ अभिनीत विक्रम वेधा की शूटिंग हुई पूरी

नियो-नोयर एक्शन थ्रिलर विक्रम वेधा, जिसमें ऋतिक रोशन, सैफ अली खान और राधिका आप्टे हैं, का फिल्मांकन शुक्रवार को पूरा हो गया।

पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्देशित फिल्म ने अक्टूबर 2021 में अबू धाबी, लखनऊ और मुंबई में विभिन्न शेड्यूल में फिल्मांकन शुरू किया।

ऋतिक रोशन ने एक बयान में कहा, वेधा बनना मेरे तहत पहले कभी किए गए किसी भी काम से अलग था। मुझे हीरो होने के सांचे को तोड़ना था और एक अभिनेता के रूप में पूरी तरह से बेरोजगार क्षेत्र में कदम रखना था। यात्रा ऐसा लगा जैसे मैं स्नातक कर रहा था।

ऋतिक और सैफ के साथ फिल्मांकन के अनुभव के बारे में बात करते हुए, निर्देशक पुष्कर और गायत्री ने एक संयुक्त बयान में कहा, हमारे देश के प्रमुख सुपरस्टार ऋतिक और सैफ के साथ शूटिंग करना एक शानदार अनुभव रहा है।

यह फिल्म भारतीय लोककथा विक्रम और बेताल पर आधारित है, और एक बेहतरीन एक्शन क्राइम थ्रिलर है, जो एक सख्त पुलिस अधिकारी की कहानी बताती है। अपने फिल्मांकन के अनुभव के बारे में बात करते हुए, सैफ अली खान ने साझा किया पुष्कर और गायत्री महान रचनात्मक ऊर्जा के साथ काफी गतिशील जोड़ी हैं और उनके साथ काम करना बहुत फायदेमंद रहा है।

विक्रम वेधा गुलशन कुमार, टी-सीरीज फिल्म्स और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा फ्राइडे फिल्मवर्क्स और वाईनॉट स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म का निर्माण एस. शशिकांत और भूषण कुमार ने किया है। फिल्म, जिसमें रोहित सराफ, योगिता बिहानी, शारिब हाशमी और सत्यदीप मिश्रा भी हैं, 30 सितंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।(आरएनएस)

'जन गण मन' के लिए पूजा हेगड़े ने मेकर्स से ली मोटी रकम

अभिनेत्री राधे श्याम में अपने एक्टिंग से सभी के दिलों में अपनी जगह बना चुकी पूजा हेगड़े अब फिल्म 'जन गण मन' को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं. खबर है कि इस फिल्म में विजय देवरकोंडा के साथ पूजा हेगड़े भी नजर आ सकती हैं। लेकिन जिस खबर ने सबका ध्यान खिंचा वे आपको हैरान कर देने वाली है।

फिल्म राधे श्याम, बीस्ट और चिरंजीवी-राम चरण फिल्म आचार्य में अभिनय कर चुकी पूजा हेगड़े ने फिल्म 'जन गण मन' के लिए मोटी फीस चार्ज कर रही है. खबरों के मुताबिक, जानकारी सामने आई है कि पूजा हेगड़े ने कुल 5 करोड़ की फीस वसूली है जिसमें से 4 करोड़ रुपये उनकी फीस है और बाकी 1 करोड़ रुपये उनके स्टाफ को दिए जाएंगे।

इसके साथ आपको बता दें कि अपकमिंग जन गण मन में पूजा हेगड़े एक्शन करती हुईनज़र आने वाली है. ये फ़िल्म 'एक पैन इंडिया फिल्म होगी जो हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी। फ़िलहाल जानकारी तो ये है कि पूजा ने फिल्म के लिए ट्रेनिंग लेना शुरू कर दी है। हालांकि, एक्ट्रेस ने अब तक इस मामले में किसी भी तरह का कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है।

फिल्म की शूटिंग की बात करें तो फिल्म 'जन गण मन' अभी प्री-प्रोडक्शन चरण में है। कहा जा रहा है कि फिल्म में विजय देवरकोंडा आर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे और इस फिल्म में उनका किरदार बेहद जोरदार होगा। अब देखना ये है की आखिरकार निर्माता फिल्म कि रिलीज़ डेट से लेकर या फ़िल्म से जुड़ी कोई अन्य जानकारी के बारे में खुलकर कब बात करते हैं।(आरएनएस)

परदे पर दिखेगा 80 के दशक का एक्शन

हॉलीवुड को देखते हुए अब बॉलीवुड में भी उन सितारों को लेकर फिल्म बनाने का चलन बढने लगा है जो 4 दशक पूर्व बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्मों के जरिये आग लगा देते थे। कोरियोग्राफर निर्देशक अहमद खान ने अपनी पिछली कुछ फिल्मों में टाइगर श्रॉफ को लेकर अच्छी एक्शन फिल्मों का निर्माण किया है। हाल ही में उनकी अगली फिल्म ओमद्द बैटल विदन का ट्रेलर जारी किया गया है। उनकी यह फिल्म भी एक्शन से भरपूर है। इस फिल्म में आदित्य राय नजर आने वाले हैं। बॉलीवुड के गलियारों में बहती हुई हवाओं का कहना है कि अहमद खान ने जी स्टूडियो के साथ एक और फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। यह एक एक्शन फिल्म होगी जिसमें 80 के दशक के 4 सुपर सितारों को एक साथ परदे पर एक्शन करते हुए दिखाया जाएगा। इस फिल्म में सन्नी देओल, जैकी श्रॉफ, मिथुन चक्रवर्ती और संजय दत्त अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी विवेक सिंह चौहान को सौंपी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मिथुन चक्रवर्ती, सनी देओल, संजय दत्त और जैकी श्रॉफ एक एक्शन फिल्म के लिए साथ आने वाले हैं। फिल्म एक महीने के अंदर एक बड़े शेड्यूल के साथ फ्लोर पर जाने वाली है। फिल्म की शूटिंग मुंबई स्टूडियो सहित कई लोकेशन पर की जाएगी। ये अहमद खान एंड कंपनी का एक प्रयास है कि 80 के दशक के एक्शन स्टार्स को एक फिल्म में लाया जाए। ये सभी चारों एक्टर्स ऐतहासिक रूप से लोगों के बीच एक्शन इमेज के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के पास एक साल से अधिक का समय है और मेकर्स के पास ऐसी स्क्रिप्ट है जो चारों स्टार्स के लिए बिल्कुल फिट बैठती है।

इन स्टार्स के वर्क फ्रंट की बात की जाए तो सनी देओल के पास गदर 2 और चुप जैसी फिल्में हैं। सनी देओल की फिल्म गदर 2 उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर का अगला पार्ट है। फिल्म चुप को निर्देशक आर बाल्की बना रहे हैं और इस फिल्म में दुलकर सलमान भी मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, संजय दत्त फिल्म शमशेर में रणबीर के साथ काम करते दिखाई देंगे। उधर, जैकी श्रॉफ फिल्म ओम द बैटल विदइन में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, संजना सांघी, आशुतोष राणा और प्रकाश राज मुख्य भूमिका में हैं। कपिल वर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1 जुलाई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है।(आरएनएस)

इंटरनेट पर निक्की तंबोली का कब्ज़ा, मदहोश हुए फैंस

टेलीविज़न के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस 14 में निक्की तंबोली की ग्रोथ और लोकप्रियता दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है कि जब भगवान किसी को देता है तो छप्पर फाड़कर देता है। शो के बाद से ही निक्की ने सफलता की बड़ी उड़ान भरी है। निक्की तंबोली प्रशंसकों का भी मनोरंजन करके रखती हैं।

वही अब एक बार फिर निक्की की सुपर सिजलिंग तस्वीरें देखकर प्रशंसक बहुत इंप्रेस हो रहे हैं। निक्की तंबोली ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह शिमरी शॉर्ट ऑउटफिट पहने दिखाई दे रही हैं। पीछे से यह ड्रेस बैकलेस है। अपनी टोन्ड फिगर को फ्लॉन्ट करते हुए निक्की तंबोली ने कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इन सभी तस्वीरों में निक्की की चार्मिंग स्माइल पर प्रशंसक अपना दिल हार बैठे हैं। डीप नेक वाला यह ऑउटफिट स्ट्रैपी है तथा पीछे से इसमें एक डोरी आई हुई है।

वही बालों को ओपन रखने के साथ हैवी मेकअप से निक्की ने लुक को पूरा किया है। न्यूड लिपस्टिक एवं स्मोकी आई मेकअप निक्की तंबोली की सुंदरता में चार चांद लगा रहा है। इस ऑउटफिट के साथ निक्की तंबोली ने कोई जूलरी नहीं पहनी है। काफी सिंपल रखा है। निक्की तंबोली ने इन तस्वीरों को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, बेसिक? यह क्या होता है, मुझे तो पता भी नहीं है। प्रशंसक निरंतर निक्की तंबोली के इस लुक की प्रशंसा कर रहे हैं। एक शख्स ने लिखा, निक्की मैम, आपकी अदाओं पर ही तो हम फिदा है। इसी तरह कई लोगों ने कमेंट कर अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस पर प्यार लुटाया है।

एक नए भारत की ओर, नरेंद्र मोदी शासन के 8....

▶▶ पृष्ठ 2 का शेष

पारदर्शी और तेज गति वाला था। कुछ ही महीनों में, सारी वयस्क आबादी को कोविड टीकाकरण की २ खुराकें मुफ्त में मिल चुकी थीं, जिससे सामान्य स्थिति स्थापित करने में तेजी आई।

वैश्विक महामारी के दौरान, जब बार–बार लगाए गए लॉकडाऊन लोगों को, विशेष रूप से गरीबों के जीवन में व्यवधान पैदा कर रहे थे, मोदी सरकार ने सुनिश्चित किया कि कोई भी भूखा न रहे। मार्च २०२० में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत ८० करोड़ से अधिक लोगों को प्रति माह ५ किलोग्राम खाद्यान्न मुफ्त में उपलब्ध कराया गया।देश के ८० करोड़ से अधिक नागरिकों तक अनवरत खाद्यान की आपूर्ति कोरोना के वैश्विक संकट के दौरान सुनिश्चित करते रहने से बड़ा गरीब कल्याण और क्या हो सकता है भला? पीएम मोदी ने सभी गरीबों के सर के छत की चिंता की, शुद्ध नल जल उपलब्ध कराने से लेकर उन्हें आयुष्मान भारत के तहत मुफ्त चिकित्सा से लेकर तमाम कल्याणकारी योजनाओं से उन्हें जोड़ा पिछले ८ वर्षों में देश की गरीबी २२प्रति. से घट कर से १०प्रति. से नीचे आ गई है।

८ साल की यह यात्रा देश की सोच को बदलने की यात्रा है ; अब आम जनमानस में यह धारणा बनी है कि मोदी है तो मुमकिन है। पहले सरकार जनता से कहती थी– हुआ तो हुआ। अब जनता कह रही है दृ जो कभी नहीं हुआ, वह मोदी जी के शासन काल में हुआ। ये आत्मनिर्भर भारत की यात्रा है, विश्वगुरु के पद पर भारत के प्रतिष्ठित करने का मार्ग बनाने की यात्रा है। ८ वर्ष की यह यात्रा आत्मनिर्भर भारत की संकल्प से सिद्धि के रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत देश का रास्ता भी है और संकल्प भी। आत्मनिर्भरता में देश के अनेक मुश्किलों का हल है।

काग़ज़ी योजनाओं का युग अब समाप्त हुआ । आज प्रधानमंत्री स्वयं महत्वपूर्ण परियाजनाओ की गुणवत्ता और समय अवधि में पूरा होने के लिए लगातार निगरानी रखते हैं और मार्ग दर्शन करते हैं । आज जनता यह देख रही है कि जिस योजना का शिलान्यास होता है, वह योजना उसी कार्यकाल में पूरी भी होती है। बीते ८ वर्ष कागज़ से क्रियान्वयन और अमलीकरण की यात्रा के रहे हैं।

पीएम मोदी की हर योजना अंतिम लाभार्थी तक पहुँचने के परिणाम यह रहे हैं कि ८ वर्षों में देश की प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हुई है। २०१४ में ७६ हजार रुपये सालाना, अब डेढ़ लाख रुपये हो गया है। एक के बाद एक व्यवधानों के बावजूद भारत ने सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखी है। कोविड के कारण उत्पन्न मंदी के बावजूद पिछले वित्त वर्ष में ४१८ अरब डॉलर का रिकॉर्ड निर्यात वित्तीय वर्ष २०२१–२२ के दस महीने में भारत के कृषि निर्यात में २३ प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। २००६ से २०१४ (मनमोहन सरकार) के पांच सालों में कृषि बजट में ८.५: की वृद्धि हुई थी, वहीं २०१४ से २०१६ के बीच कृषि बजट में ३८.८: की वृद्धि हुई। २००६–१० में मनमोहन सरकार में जो कृषि बजट था, अब वह १० गुना बढ़ गया है। २०१३–१४ में भारत की जीडीपी ११२.३३ लाख करोड़ रुपये के आसपास थी। आज भारत की जीडीपी दोगुने से भी अधिक यानी २३२.१४ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है।

खादी के विकास के लिए आजादी के ७० सालों तक कोई काम नहीं हुआ। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद पहली बार खादी उत्पादों ने एक साल में १ लाख १५ हजार करोड़ रुपये का कारोबार किया है।२०२१–२२ में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह बढ़ कर ८३.५७ बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जिसमें विनिर्माण क्षेत्र ने प्रत्यक्ष विदेशी इक्विटी निवेश की भागीदारी दर्ज की। कोविड के बाद भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रवाह में २३ प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो भारत की विकास गाथा में वैश्विक विश्वास को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। विदेशी मुद्रा भंडार भी लगभग दोगुना हुआ है। २०१४ में ३०० अरब डॉलर, अब लगभग ६०० अरब डॉलर आजादी के ७० साल में देश में केवल ६.३७ लाख प्राइमरी स्कूल बने जबकि पीएम मोदी की सरकार के केवल ८ वर्षों में ६.५३ लाख प्राइमरी स्कूल बने। विगत ८ वर्षों में देश में १५ नए एम्स का निर्माण हुआ जबकि आजादी से २०१४ तक देश में केवल ७ एम्स थे, उसमें से भी ६ अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में बने। डॉक्टरों की संख्या भी पिछले ८ साल में १२ लाख से ज्यादा बढ़ी है। ८ साल में लगभग १७० नए मेडिकल कॉलेज बने । देश के कर्मयोगी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने भारत में नई शिक्षा नीति लागू की जो देशके विद्यार्थियों और युवा शक्ति में एक नई आशा और ऊर्जा का संचार कर रही है । भारत सरकार ने इसी कोरोंना के दरमियान अपनी को जारी रखते हुए नई शिक्षा नीति लागू की जिसके देश के भविष्य पर दूरगामी प्रभाव होंगे ।

नई शिक्षा नीति का उद्देश्य मुख्य रूप से निवेश में पर्याप्त वृद्धि और नई पहल के साथ ३–६ वर्ष के बीच के सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा तय करना है। मेरे लिए पांच प्रमुख बातों में मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सिस्टम, स्कूली शिक्षा के लिए १००: नामांकन अनुपात प्राप्त करना, लॉ और मेडिकल एजुकेशन के अलावा समूची उच्च शिक्षा के लिए सिंगल रेगुलेटर, विज्ञान, कला, मानविकी, गणित और व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए एकीकृत शिक्षा और वर्ष २०२५ तक ५०: छात्रों को वोकेशनल शिक्षा प्रदान करना शामिल हैं। इनमें भी सबसे महत्वपूर्ण मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सिस्टम है। अभी यदि कोई छात्र छह सेमेस्टर इंजीनियरिंग पढ़ने के बाद किसी कारण से आगे की पढाई नहीं कर पाता है तो उसको कुछ भी नहीं मिलता। अब एक साल के बाद पढाई छोड़ने पर सर्टिफिकेट, दो साल के बाद डिप्लोमा व तीन–चार साल के बाद पढ़ाई छोड़ने के बाद डिग्री मिल जाएगी। देश में ड्रॉप आउट रेश्यो कम कम करने में इसकी बड़ी भूमिका होगी। नई शिक्षा नीति से देश में रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा व रटकर पढ़ने की संस्कृति खत्म होगी।

नई शिक्षा नीति तय करेगी कि हमारे छात्र नौकरी मांगने वाले नहीं

बल्कि नौकरी देने वाले बनेंगे। एक स्वायत्त निकाय बनाया जाएगा। जो शिक्षा के सभी स्तरों में प्रौद्योगिकी का उपयुक्त एकीकरण करेगा । यह शिक्षा नीति वैज्ञानिक सोच पर आधारित होगी लेकिन उसमें भारतीय जीवन मूल्य भी रहेंगे तथा यह डिजिटल भी होगी और दूरवर्ती भी होगी इसके साथ ही यश अनुसंधान और नवाचार को भी बढ़ावा देगी और विद्यार्थियों की रचनात्मकता और कौशल को निखारेगी।

इन गौरवमयी ८ सालों में भारत का सड़क नेटवर्क दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुँच गया। पिछले ८ साल में पीएम मोदी की सरकार ने लगभग तीन लाख २५ हजार किमी सड़क निर्माण को मंजूरी दी है। सौर और पवन ऊर्जा में भारत की क्षमता बीते पांच सालों में दोगुनी हुई। २०१२–१३ में देश में खाद्यान्न का उत्पादन २५५ मिलियन टन था जो २०२१–२२ में बढ़ कर ३१६.०६ मिलियन टन हो गया है। यह आजादी के बाद अब तक का रिकॉर्ड उत्पादन है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था, दिल्ली से निकला एक रुपया ज़मीन पर मात्र १० पैसा बन कर पहुंचता है, अब डीबीटी के तहत शत–प्रतिशत पैसा सीधे लाभार्थी के खाते में जाना संभव हुआ है जीरो लीकेज ८ वर्षों में लाभार्थियों को अब तक नरेन्द्र मोदी सरकार ने २२५ ख़रब रुपये ट्रांसफर किये हैं जो गरीबों के सशक्तिकरण का एक प्रमुख टूल बन कर उभरा है। जन–धन, आधार और मोबाईल ने लाभार्थियों तक शत–प्रतिशत सरकारी सहायता का पहुंचना सुनिश्चित किया है। पहली बार किसी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था और जीडीपी को आम जनता से जोड़ा। उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत अभियान, जल जीवन मिशन, गरीब कल्याण अन्न योजना, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत और सौभाग्य योजना के कारण देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत हुई और मंदी के बावजूद देश की विकास दर दुनिया में सर्वाधिक बनी रही। गरीब कल्याण अन्न योजनाः पिछले दो वर्षों से मोदी सरकार ३.४० लाख करोड़ रुपये की लागत से देश के लगभग ८० करोड़ लोगों तक जरूरी राशन मुफ्त पहुंचा रही है। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न वितरण योजना है।

देश के १२ करोड़ से अधिक किसानों को सालाना ६,००० रुपये की आर्थिक सहायता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दे रहे हैं। अब तक ११ किस्तों में किसानों को २ लाख करोड़ रुपये से अधिक दिए जा चुके हैं। इसके अलावा एमएसपी पर धान खरीदी से लेकर उर्वरकों पर ६० प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है एक बोरा यूरिया पर ३ हज़ार से अधिक तो डीएपी पर २ हज़ार से अधिक अनुदान पीएम मोदी दे रहे हैं। देश के लगभग ५५ करोड़ लोगों को सालाना ५ लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिल रहा है। अब तक तीन करोड़ से अधिक लोग लाभ ले चुके हैं और १८ करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किया गया है। ६ करोड़ से अधिक घरों में नल से जल पहुंचाने की शुरुआत हो गई है। इस वर्ष लगभग चार करोड़ घरों को इससे जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जब कोरोना महामारी पर नियंत्रण बेहतर हो रहा था, ठीक उसी समय दुनिया के सामने रूस–यूक्रेन युद्ध आ गया। हजारों की संख्या में भारतीय छात्रों ने खुद को युद्ध की स्थिति के बीच फंसा पाया। मोदी सरकार ने बिना किसी देरी के सभी संभव संसाधन जुटाए और रूस तथा यूक्रेन, दोनों देशों के साथ भारत के संबंधों का लाभ उठाते हुए, सबसे कठिन और सबसे बड़े बचाव अभियानों में से एक को अंजाम दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों के बचाव अभियान को तीव्र गति प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों को यूक्रेन की सीमाओं पर भेजा। यह सरकार की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण ही है कि २२,५०० भारतीय छात्र सुरक्षित भारत लौट कर अपने परिवारों से मिल सके। पिछले ८ वर्षों में वंदे भारत मिशन, ऑप्रेशन राहत सहित भारतीयों को स्वदेश वापस लाने के लिए अभियानों में सरकार चट्टान की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही।

२०१४ से पहले समस्याओं को ही नियति मान लिया गया था। देश की जनता ने तो यह सोचना ही छोड़ दिया था कि ये समस्याएं कभी ख़त्म भी हो सकती हैं। लेकिन पीएम नरेन्द्र मोदी की मंशा ही कुछ और थी। पिछले ८ वर्ष जन आकांक्षाओं को पूरा करने के रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सफलता के पीछे क्या कारण हैं जिन्होंने दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक भारत में उन्हें अब तक अपराजय बना डाला है।

प्रधानमंत्री मोदी की सफलता के पीछे पीसीसी है। पीसीसी यानि प्रसैप्शन, कम्युनिकेशन और कनैक्शन। प्रधानमंत्री मोदी में ऐसी विलक्षण बाते हैं जिनसे उनका राजनीतिक कद काफी ऊंचा हो चुका है। प्रधानमंत्री पर लोगों का भरोसा इसलिए बढ़ा है क्योंकि वे लोगों से उन्हीं की भाषा में सीधा संवाद करते हैं और लोगों के साथ उनका यह कनैक्शन उन्हें सफलता दिलाता है। मोदी की धमक पूरे देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है। आज पूरी दुनिया में यह धारणा बन चुकी है कि मोदी एक कुशल और अनुभवी नेता हैं। प्रधानमंत्री का लगातार मन की बात कार्यक्रम करना, वर्चुअल मीटिंगों के जरिये सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत करना, खिलाड़ियों से लेकर बुद्धिजीवियों तक सीधा संवाद करना। उनकी विल्क्षण प्रतिभा है जिससे वे सीधे लोगों से जुड़े हुए हैं। उनकी सरकार में कहीं भी नीतिगत अपंगता नजर नहीं आती और सरकार ने एक के बाद एक साहसिक फैसले लिए जिससे देश की प्रतिष्ठा बढ़ी।कोविड महामारी के दौरान न केवल अपने देशवासियों का मनोबल बनाए रखने, सफलतापूर्वक वैक्सीनेशन अभियान चलाने और लगभग ५० से अधिक देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराने से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की एक नई छवि बनी।

अफगानिस्तान और युद्धग्रस्त यूक्रेन से भारतीयों की सुरक्षित निकासी से पूरी दुनिया को इस बात का अहसास हो गया कि भारत अब पहले से अधिक सामर्थ्यवान हो चुका है। को एनडीए की सरकार बनते ही लोगों की सरकार से उम्मीदें बढ़ गईं। लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार ने पहले ही दिन से जमीनी स्तर पर कार्य करना शुरु कर दिया। सरकार विकास को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियां और कानून लाने दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को इसकी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ाने के लिए सुधारों की एक नई लहर पैदा की जा रही है। भारत के पास आर्थिक क्रांति लाने और लाखों लोगों के जीवन में सुधार लाने का एक बहुत बड़ा अवसर है।

आठ वर्षों के दौरान देश ने अनेक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों को देखा। शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और किसानों की समस्याओं से देश को जूझना पड़ा लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी कार्यशैली से हर वर्ग को संतुष्ट करने का प्रयास किया। कोरोना महामारी से उभरने के बाद हालांकि कई चुनौतियां देश के सामने हैं लेकिन जनता को उन पर इतना भरोसा है कि मोदी हैं तो मुमकिन है, सभी चुनौतियों से छुटकारा मिल जाएगा। महंगाई, बेरोजगारी देश की बुनियादी समस्याएं हैं लेकिन रोटी के साथ–साथ विदेश नीति, सामरिक नीति, व्यापार, उत्पादन, निर्यात, ग्रामीण विकास और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आदि भी बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। सियासत हो या कूटनीति मोदी सरकार हर मोर्चे पर सफल रही है ।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत के नागरिक आज एक नई आशा और विश्वास के साथ उभरते हुए अपने देश को देख रहे हैं। आज सपने भी हैं और सपनों को साकार करने वाले संकल्प और प्रयास भी । विकास की ये यात्रा जिसका नेतृत्व मोदी जी कर रहे हैं भारत को पूरे विश्व में मान, सम्मान और एक नई पहचान दिलाने के लिए प्रयत्नशील है जहाँ शासन का अर्थ है सेवा और समर्पण ।

जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी में तीन नामजद

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर लाखो रूपये की धोखाधडी में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी तरूण कुमार ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसने अशोक कुमार निवासी बंजारावाला, रमेश निवासी ग्राम व पोस्ट उम्मेदपुर, मोहन निवासी ग्राम व पोस्ट उम्मेदपुर से एक भूमि जोकि मौजा ईस्ट होप टाउन , तहसील विकासनगर 10,25,000 रुपये मे क्रय की थी उक्त सम्पत्ति अशोक कुमार के माध्यम से रमेश से क्रय की थी। उसने उनको पूरे दस लाख 25 हजार रूपये अदा कर दिये थे लेकिन जब उक्त विक्रय पत्र का राजस्व अभिलेखो मे पंजीकृत कराने हेतु गया तो उसको अपने साथ हुये धोखे का पता लगा कि उक्त कब्जे वाली सम्पत्ति वर्णित 870 खाता सं० 23.04 खसरा नम्बर मे उपलब्ध नही है। जब वह उक्त तीनों लोगो के पास गया और अपने रूपये वापस मांगे तो उन्होंने उसके साथ मारपीट कर धमकी दी कि वह उसका पैसा नहीं देते उससे जो होता है कर ले। न्यायालय के आदेश पर बसंत विहार थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दुकान पर कब्जा करने व जान से मारने की धमकी में तीन नामजद

संवाददाता

देहरादून। दुकान पर कब्जा करने व दुकान मालिक को जान से मारने की धमकी देने पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर रोड निवासी आतिफ शेख ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी की एक दुकान जिसमे महफिल रेस्टुरेन्ट के नाम से है उसने तौहिद आलम निवासी साहरनपुर हाल निवासी राजपुर रोड को आठ माह पूर्व लगभग अनुबन्ध कर किराये पर दिया था उसका अपने कार्यो मे व्यस्त रहने के कारण बहार आना जाना रहता है तीन दिन पूर्व आस पास के लोगो ने बताया के उसके रेस्टोरेन्ट में बहारी लडको का जमबाडा लगा रहता है और बाहर के नम्बरों की गाडीया खडी रहती है । वह अपने रेस्टोरेंट में गया तो वहां पर अनवर नामक एक व्यक्ति मिला। उसने उससे पूछा कि जो रेस्टोरेन्ट चला रहे है वो कहां है इस पर उसने जबाब दिया कि हम ही चला रहे है और हम ही मालिक है। तब उसने कहा में सम्पति का मालिक हूँ तुमको नही जानता उसने तो किसी और को किराये पर दिया था। उसने उनको कहा कि कल से रेस्टोरेन्ट मत खोलना क्योंकि जिनको उसने कराये पर दिया था वो उसको नजर नही आ रहे है और वह उनको नही जानता इस परल उक्त व्यक्ति ने उसको गाली दी। उसने अपने दो अन्य साथियों मौहम्मद आ रसीव एक अन्य के साथ जान से मारने की ध मकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एसएसबी जवानों ने किया कसारदेवी मंदिर में योगाभ्यास

अल्मोड़ा (आरएनएस)। क्षेत्रीय मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल अल्मोड़ा के अधिकारियों व जवानों ने कसारदेवी मंदिर में योगाभ्यास किया। योग से होने वालें लाभों की जानकारी दी। यहां उप महानिरिक्षक अनुज थपलियाल, द्वितीय कमान अधिकारी मनोज सनवाल, उप कमांडेंट संचार दिवाकर भट्ट, शैलेश कुमार सिंह, सहायक कमांडेट सागर जोशी, सुरेश पाल आदि मौजूद रहे।

अग्निवीरों को मिलेगा 10...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

भर्ती नहीं हो सकी इसलिए भर्ती आयु सीमा बढ़ा दी गई है। तथा 4 साल बाद युवा क्या करेंगे? इसका इंतजाम भी किया गया है उन्हें 10 फीसदी का आरक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यही नहीं कई राज्य सरकारों द्वारा पुलिस भर्ती में उन्हें वरीयता देने की बात कही गई है इसलिए युवाओं को अपने भविष्य को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि हम देश को बाह्य और आंतरिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से मजबूत बनाना चाहते हैं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता है।

उल्लेखनीय है कि बीते कल ही सरकार द्वारा 24 जून से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने और 2 दिन के अंदर इसका नोटिफिकेशन जारी करने की घोषणा की गई थी। इसके साथ जिन युवाओं को सेवानिवृत्ति के बाद रोजगार नहीं मिलेगा उन्हें सस्ती दरों पर बैंकों से ऋण देने की सुविधा प्रदान की जाएगी।

बाबा गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। लूट के दौरान फायर कर कई स्थानों पर वारदात करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने गैंग के दो सदस्यों को दो तमंचों व चार कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बाबा ग्रुप के नाम से गैंग चलाते थे जिनके फरार सदस्यों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

जानकारी के अनुसार बीती 13 जून को ट्रक ड्राईवर विपिन काम्बोज द्वारा थाना झबरेड़ा में सूचना दी गयी कि मैं अपना ट्रक लेकर बिहारीगढ से झबरेडा आ रहा था। डेलना चौक पर 7-8 अज्ञात लोगो द्वारा सडक किनारे अपनी तीन बाइक खडी कर मेरे साथ मारपीट कर मेरे ऊपर तमंचे से तीन फायर किये है तथा उन बदमाशों द्वारा ही भागते हुए आगे जाकर बिजली मीटर रीडर अरुण कुमार निवासी लोदीवाला थाना झबरेडा को तमंचा दिखाकर उनका मोबाईल लूट लिया गया है।

फायर झोंके जाने व लूट की घटना को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गयी। बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयास के बाद बीती रात मानकपुर मे हरचन्दपुर बिलासपुर रोड के पास से उक्त घटनाओं के आरोपियों में से दो बदमाशों आशु व अंकित उर्फ मोती को दो तमंचों व चार कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जिन्होने पूछताछ में बताया कि हम लोगो का बाबा गैंग के नाम से एक ग्रुप है। जिसका लीडर शुभम राजा है और ग्रुप मे हमारे अन्य साथी पुनित, प्रवीण , तरुण , हर्षित, शंकर है। हम लोग मौज मस्ती के लिए अपने खर्चे चलाने को लूट की घटनाओं को अंजाम देते है। बताया कि उन्होने बीते वर्ष दिसम्बर माह में अपने साथियो रोहित उर्फ बिल्ला , रजत , विशाल, सौरभ आदि के साथ मिलकर लक्सर मे भुन्नी गांव के पास बादल पुत्र चन्द्रपाल निवासी लक्सर के साथ मारपीट कर उसकी बाइक लूट ली थी तथा भागते समय उस पर गोली भी मार दी गयी थी। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। साथ ही उनके अन्य फरार साथियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

❑दो तमंचे व चार कारतूस बरामद

बाईक सवारों ने दो मोबाइल लूटे

देहरादून (सं)। बाईक सवारों ने एक ही दिन में दो मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनो मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी संतोष शुक्ला ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह सिडकुल गोल चक्कर के पास मोबाइल पर बात करते हुए जा रहा था तभी मोटरसाईकिल सवार दो युवक वहां पर आये और उसके हाथ से मोबाइल लूटकर भाग गये। उसने शोर भी मचाया लेकिन तब तक वह फरार हो गये थे। वहीं शिवनगर सेलाकुई निवासी यासमीन ने भी सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि वह लेबर चौक के पास पैदल आ रही थी तभी मोटरसाईकिल सवार युवकों ने उसके हाथ से मोबाइल लूट लिया।

खुखरी व चाकू सहित दो दबोचे

हमारे संवाददाता

देहरादून। वारदात की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को पुलिस ने कल देर रात अलग अलग स्थानो से खुखरी व चाकू सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर रात कोतवाली ऋषिकेश पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस पीपल घाट मायाकुंड के समीप पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोक कर तलाशी ली तो उसके पास से एक खुखरी बरामद की। पूछताछ में उसने अपना नाम आकाश उर्फ गोलू पुत्र आनंद मणि निवासी मायाकुंड निकट निर्मल हॉस्पिटल ऋषिकेश देहरादून बताया। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने सतेंद्र पुत्र कलुआ निवासी ग्राम रसूलपुर थाना चांदपुर जिला बिजनौर को बस अड्डे के पास से एक चाकू सहित गिरफ्तार कर लिया है।

सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं को पुलिस ने किया जागरूक

हमारे संवाददाता

देहरादून। सेना भर्ती की अग्निपथ योजना के बढ़ते विरोध को देखते हुए अब दून पुलिस ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए आज ग्रांउड में उतर कर आर्मी व अन्य फोर्स आदि की तैयारी कर रहे छात्रों को जागरूक किया गया।

इस क्रम में आज कैंट कोतवाली पुलिस द्वारा क्षेत्र के महिंद्रा ग्राउंड पर आर्मी व अन्य फोर्स आदि की तैयारी कर रहे युवाओं को भारत सरकार द्वारा जारी 'अग्निपथ योजना' के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए सोशल मीडिया आदि के माध्यम से प्रसारित हो रही अधूरी जानकारी एंव अफवाहों से सावधान रहने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही सूचित किया गया कि अधूरी जानकारी एंव अफवाहो में आकर युवा कोई ऐसा अनुचित व असंवैधानिक कार्य न करें जिससे कि उनके भविष्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़े। वहीं दूसरी ओर कोतवाली ऋषिकेश द्वारा भी डिग्री कालेज ऋषिकेश ग्राउंड सहित अन्य ग्रांउड में पहुंच कर भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं को जागरूक किया गया है।

एक नजर

काबुल में गुरुद्वारे पर आतंकी हमला, कई लोगों की मौत!

काबुल । अफगानिस्तान की राजधानी काबुलमें सिखों को निशाना बनाकर आतंकवादी हमला हुआ है। ये आतंकी हमला काबुल के कर्ता परवान इलाके में हुआ है, जहां गुरुद्वारा दशमेश पिता साहिब जी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस हमले में कई लोग मारे गए हैं, वहीं कई सिख श्रद्धालु गुरुद्वारे में ही फंसे हुए हैं। बताया जा रहा है कि आतंकियों ने पहले तो बम से हमला किया, फिर दोनों एंट्री गेट से फायरिंग करते हुए वो अंदर घुसे। इस आतंकी हमले में गुरुद्वारे का मुस्लिम गार्ड भी मारा जा चुका है। गुरुद्वारे पर बम हमले के बाद हर तरफ धुआं ही धुआं फैल गया।

जानकारी के मुताबिक, गुरुद्वारे के भीतर दो बम धमाके हुए हैं। इसके अलावा कम से कम दो हमलावरों ने गुरुद्वारे में हमला बोला है। इस हमले की चपेट में गुरुद्वारे का मुख्य हिस्सा आ गया है । फिलहाल तालिबान के सुरक्षा बल आतंकियों को जिंदा पकड़ने की कोशिश में लगे हुए हैं। इस बारे में बीजेपी विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया है कि इस हमले में गुरुद्वारे का गार्ड मारा चुका है अंदर कई लोग फंसे हुए हैं।

आतंकियों ने की पुलिस सब इंस्पेक्टर की हत्या

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर पुलिस के एक पुलिस सब इंस्पेक्टर की लाश धान के खेत से बरामद हुई है। सब इंस्पेक्टर की हत्या की गई है। बताया जा रहा है कि आतंकियों ने इस वारदात को अंजाम दिया है। शव को देखने के बाद अंदाजा लगाया जा रहा है कि सब इंस्पेक्टर का किडनैप करके सुनसान जगह पर ले जाया गया, फिर गोली मारकर हत्या करके लाश को फेंक दिया गया। फिलहाल, स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पहुंचा दिया है। पुलिस का कहना है कि मौके से साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। मृतक एसआई (एम) की शिनाख्त फारूक अहमद मीर पुत्र अब गनी मीर निवासी संबूरा पंपोर के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि स्ढ़ढ की लाश संबूरा में धान के खेत में पड़ी मिली। फारूक वर्तमान में लेथपोरा में २३ बीएन आईआरपी में ओ एसआई के पद पर तैनात थे। शुरुआत में दिल के पास गोली के निशान का एक घाव पाया गया है। बता दें कि दो दिन पहले अनंतनाग में आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड से हमला कर दिया था। इसमें एक जवान घायल हो गया था।

'माफीवीर' बनकर अग्निपथ को वापस लेना पड़ेगाः राहुल गांधी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विवादित कृषि कानूनों को वापस लेना पड़ा था, ठीक उसी तरह उन्हें युवाओं की मांग को स्वीकार करना होगा और अग्निपथ रक्षा भर्ती योजना को वापस लेना पड़ेगा। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार लगातार आठ वर्षों से जय जवान, जय किसान के मूल्यों का अपमान कर रही है। राहुल ने ट्वीट किया, आठ वर्षों से भाजपा सरकार ने जय जवान, जय किसान के मूल्यों का लगातार अपमान किया है। मैंने पहले भी कहा था कि प्रधानमंत्री जी को काले कृषि कानून वापस लेने पड़ेंगे। ठीक उसी तरह उन्हें माफीवीर बनकर देश के युवाओं की बात माननी पड़ेगी और अग्निपथ को वापस लेना ही पड़ेगा। सरकार ने मंगलवार को इस योजना की शुरुआत करते हुए कहा था कि साढ़े १७ से २१ साल तक की उम्र के युवाओं को संविदा के आधार पर चार साल के कार्यकाल के लिए थल सेना, वायुसेना और नौसेना में भर्ती किया जाएगा। अग्निपथ योजना को लेकर बढ़ते विरोध के मद्देनजर भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा गुरुवार को बढ़ाकर २३ साल कर दी गई थी।

दुर्लभ प्रजाति के 45 कछुओं सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। दुर्लभ प्रजाति के कुछओं की तस्करी के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को 45 कछुओं व तस्करी में प्रयुक्त बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना पुलभट्टा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ वन्य जीव तस्कर वन्य जीवों की तस्करी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को पुलभट्टा बहेडी बार्डर पर स्थित वन विभाग चौकी/बैरियर पर बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रोक कर तलाशी ली तो उनके पास मौजूद एक थैले से दुर्लभ प्रजाति के 45 कछुए बरामद हुई पूछताछ में उन्होने अपना नाम मंतोष विश्वास पुत्र मनोरंजन विश्वास व ज्योतिष गाइन पुत्र जगदीश गाइन निवासी बंगाली कालोनी थाना किच्छा बताया। बताया कि वह बरामद कछुओं को चोरी से बरेली रामगंगा नदी से काँटों में फंसाकर पकड़ कर लाये है जिसे किच्छा बाजार में ग्राहको को ऊंचे दामों में बेचने लिए ले जा रहे थे। पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। शादी का झांसा देकर चार साल तक दुष्कर्म करने पर पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जाच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सांखाल थाना पुरोला उत्तरकाशी निवासी युवती ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वहं देहरादून में पढ़ाई करने गयी थी ग्राम रवाना निवासी कुलदीप उसके करनपुर रुम में आया और उसने कहा कि वह उसके साथ शादी करेगा और उसके साथ शरिरिक सम्बन्ध बनाय तथा कुलदीप और उनके पापा उसे अपने रुम में ले गया बाद में उसको साँखाल ले गया। उसके बाद वह उसको अपने घर रावना ले गया जहां उसके सभी परिवार के लोगों ने उससे कहा कि तू हमारी बहू है कुलदीप ने चार साल तक उसको अपनी पत्नी माना है। आज उससे लड़ाई कर रहा है कि उसके घर से चले जा वह घर नही जाना चाहती है। अब कुलदीन उसके अपने साथ नहीं रखना चाहता है। चार साल तक शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

और अधिक भड़की ..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

आग से अछूता नहीं है। दो दिन तक चले उग्र प्रदर्शनों के बाद आज भले ही शांति रही लेकिन विरोध प्रदर्शनों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रहा। राजधानी दून में आज एनएसयूआई के छात्रों ने अग्निपथ के विरोध में मार्च निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया वही एसएफआई के कार्यकर्ताओं ने भी गांधी पार्क से घंटाघर तक प्रदर्शन मार्च निकाला गया। लेकिन यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण प्रदर्शन रहा। उधर हरिद्वार में भी किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने आज राकेश टिकैत के नेतृत्व में प्रदर्शन मार्च निकाला तथा सिटी मजिस्ट्रेट को केंद्र सरकार के नाम ज्ञापन सौंपकर अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग की। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भाकियू ने 30 जून को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन की घोषणा की है। तथा काग्रेस भी हल्द्वानी में मौन प्रदर्शन करने जा रही है।

ससुर पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप, मारपीट में पति सहित तीन नामजद

संवाददाता

देहरादून। ससुर पर दुष्कर्म का प्रयास करने व शिकायत करने पर पति, सास व मामा ससुर के द्वारा मारपीट कर छत से नीचे फैंकने का आरोप लगाते हुए महिला ने मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी महिला ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने घर में अपने पति व सास ससुर के साथ रहती है। चार दिन से उसका पति घर से बाहर जा रखे था। आज शाम समय लगभग 6 बजे उसके ससुर ने उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की छीना झपटी की तथा मारपीट की जिसमें उसको काफी चोटे आई है तथा उसकी जाँघ पर दांतो से काटा बडी मुश्किल से उसने हल्ला किया तो वह उसके कमरे से भाग गया करीब आठ बजे जब उसका पति समीर घर पर आये तो उसने सारी घटना उन्हे बताई तथा पुलिस में शिकायत करने को कहा इस पर उसका पति समीर ससुर नसीर तथा सास नसीम उसको घर की छत पर ले गये तथा उसको समझाने लगे जब उसने कहा कि वह इस घटना की पुलिस रिपोर्ट करेगी तो उन तीनों ने उसको छत से नीचे धक्का देकर मारने की कोशिश की वह बडी मुश्किल से जान बचाकर नीचे कमरे में गई तथा फोन कर अपने परिवार वालों को सारी घटना बतायी जिसके बाद उसके परिवार वाले वहां आ ये और उसको अपने साथ ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

फाईनेंस कम्पनी में निवेश के नाम पर ठगे 9 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। फाईनेंस कम्पनी में निवेश कराने के नाम पर 9 लाख 95 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेशविला रोड निवासी मनीष कक्कड ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी नेशविला रोड देहरादून पर वन्दन ज्वैल्र्स के नाम से आभूषणों की दुकान है। कुछ समय पूर्व उसकी पहचान दिनेश प्रसाद काला पुत्र महिमानन्द काला निवासी ग्राम नथुवावाला देहरादून तथा दिनेश की सहयोगी मोना थापा निवासिनी माजरी माफी मोहकमपुर कला देहरादून से हुई। दिनेश तथा मोना ने स्वंय को अनेको फाइनेंस कम्पनियों में पार्टनर बताया तथा उसको प्रतिदिन कुछ बचत इनके द्वारा चलायी जा रही स्कीमों में निवेश करने के लिये कहा। वह इनकी बातों में आ गया और गत डेढ वर्षो में अपनी कमायी के 9,95,000 रुपये इनकी बतायी स्कीमों में निवेश कर दिये। उसे पता चला कि मोना तथा दिनेश गिरोह बनाकर और सुनियोजित रुप से षडयन्त्र रचकर इसी प्रकार भोले भाले लोगों को ठगतें है। जिसके बाद उसने उनसे अपने रूपये मांगे तो दोनों ने उसके साथ गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।